

## विद्यार्थियों की व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण।

प्रोफेसर (डॉ.) के. एल. मीना

राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)

drklmeena1970@gmail.com

यह एक कौशल-आधारित कार्यक्रम को संदर्भित करता है जो छात्रों को एक विशिष्ट व्यापार का ज्ञान, प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इसे अक्सर तकनीकी या कैरियर शिक्षा के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह छात्रों को किसी विशेष अनुशासन में कौशल विकसित करने में मदद करता है। इसके अलावा, वे सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय अनुप्रयोग-आधारित प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

इसके अलावा, खाद्य और पेय पदार्थ, कंप्यूटर नेटवर्क कॉस्मेटोलॉजी, बैंकिंग और वित्त, पर्यटन, कुशल व्यापार और स्वास्थ्य देखभाल इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से विविध नौकरी कार्यों में व्यावसायिक प्रशिक्षण शामिल है।

“व्यावसायिक शिक्षा वह शिक्षा है जो लोगों को तकनीशियन, व्यापार और शिल्प जैसे विभिन्न नौकरियों में काम करने के लिए प्रशिक्षित करती है।”<sup>1</sup> यह कैरियर और तकनीकी शिक्षा को संदर्भित करता है जो छात्रों को एक विशिष्ट कैरियर के लिए तैयार करता है। व्यावसायिक कार्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक निर्देश और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं जो उन्हें प्रमाणन या डिप्लोमा की ओर ले जाता है। व्यावसायिक स्कूल माध्यमिक, उच्च और आगे की शिक्षा के स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। छात्र प्रमाणपत्र या डिप्लोमा कार्यक्रम, प्रशिक्षुता और एसोसिएट डिग्री कार्यक्रम चुन सकते हैं।

पहले, अधिकांश व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम कक्षा में या क्षेत्र के पेशेवरों के कार्यस्थल पर होते थे। हालाँकि, ऑनलाइन व्यावसायिक शिक्षा अब लोकप्रिय हो गई है और छात्रों के लिए पेशेवरों से विभिन्न कौशल सीखना आसान हो गया है। पहले प्रशिक्षण भी वेल्लिंग, बर्इंगीरी और ऑटोमोटिव सेवाओं जैसे कुछ नौकरियों तक ही सीमित था। फिर भी, “बदलते समय के साथ, प्रशिक्षण का विस्तार पर्यटन प्रबंधन, खाद्य और पेय प्रबंधन, कंप्यूटर नेटवर्क प्रबंधन, खुदरा प्रशिक्षण आदि जैसे विभिन्न कार्य कार्यों तक हो गया है।”<sup>2</sup>

व्यावसायिक शिक्षा किसी विशेष कार्य में व्यावहारिक कौशल और व्यावहारिक निर्देश प्रदान करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। व्यावसायिक कार्यक्रमों के दौरान छात्रों को वास्तविक कामकाजी माहौल मिलता है। व्यावसायिक शिक्षा प्रमुखता से विकसित हो रही है और विशिष्ट नौकरियों के लिए कुशल और प्रशिक्षित श्रमिकों को तैयार कर रही है।

“व्यावसायिक शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को किसी विशेष पेशे, व्यापार या व्यवसाय के लिए तैयार करना है। ये पाठ्यक्रम विशेष रूप से छात्रों को नौकरी के लिए तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। भारत में स्नातकों की रोजगारक्षमता एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है।”<sup>3</sup> सभी स्त्रीम के केवल 25% स्नातकों के पास रोजगार योग्य कौशल माना जाता है, जो युवाओं को नौकरियों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता को दर्शाता है। भारत में औपचारिक शिक्षा के पूरक और युवा रोजगार में सुधार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है।

भारत में विशेषज्ञ और कौशल-आधारित कर्मचारियों की आवश्यकता बढ़ रही है। व्यावसायिक शिक्षा नौकरी चाहने वालों को रोजगार पाने में मदद करेगी और भारत में कुशल पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करेगी। यह महत्वपूर्ण है कि युवाओं को पर्याप्त प्रशिक्षण और कौशल प्रदान किया जाए। भारत में युवाओं का कौशल देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भारत वरिष्ठ माध्यमिक स्तर और माध्यमिक स्तर पर विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

### **व्यावसायिक प्रशिक्षण के लाभ**

व्यावसायिक प्रशिक्षण के न केवल एक व्यक्ति के लिए बल्कि राष्ट्र के लिए भी कई लाभ हैं। इसके अलावा, व्यावसायिक प्रशिक्षण के कुछ लाभ हैं।

नौकरी के लिए तैयार – “यह प्रशिक्षण व्यक्ति को नौकरी के लिए तैयार करता है और छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे नौकरी पा सकते हैं। इसके अलावा, यह छात्रों को फैशन डिजाइनर, कंप्यूटर नेटवर्किंग, इंटीरियर डिजाइनिंग और कई अन्य नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही, यह व्यक्ति को अपने-अपने क्षेत्र की नौकरी के लिए कुशल और तैयार बनाता है।”<sup>4</sup>

### **कम शिक्षा लागत –**

इन पाठ्यक्रमों की फीस काफी किफायती है और कोई भी आसानी से इनका भुगतान कर सकता है। इसके अलावा, वे उन छात्रों के लिए एक आसान विकल्प हैं जो 3 साल का डिग्री कोर्स नहीं चुनना चाहते हैं। इनमें से कई व्यावसायिक पाठ्यक्रम डिग्री पाठ्यक्रमों जितने ही अच्छे हैं और तुरंत रोजगार प्रदान करते हैं। इसके अलावा, वे उन छात्रों के लिए सर्वोत्तम हैं जो डिग्री पाठ्यक्रम की लागत वहन नहीं कर सकते।

### **करियर में उन्नति –**

ये उन लोगों के लिए भी सबसे अच्छा विकल्प हैं जिनके पास नौकरी है और नए कौशल हासिल करना चाहते हैं। साथ ही, इन पाठ्यक्रमों की अवधि डिग्री पाठ्यक्रमों की तुलना में काफी कम है, लेकिन पढ़ाए जाने वाले कौशल का सेट काफी उपयोगी और महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, किसी पेशेवर के लिए अपने करियर की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए यह काफी प्रभावी है। इसके अलावा, ड्रॉपआउट और छात्र जो अकादमिक अध्ययन में कम रुचि रखते हैं, वे अपनी रुचि के क्षेत्र में विविध पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं।

### **आर्थिक विकास–**

“दुनिया में विभिन्न क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग दिनोदिन बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, कुशल जनशक्ति का अस्तित्व समाज के साथ-साथ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद है। इससे दूसरे देश से जनशक्ति आयात करने की आवश्यकता भी कम हो जाती है।”<sup>4</sup>

### **व्यावसायिक शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता**

“राष्ट्रों के विकास के लिए कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है और व्यावसायिक शिक्षा उन्हें नौकरी के लिए तैयार करती है।”<sup>5</sup> साथ ही, व्यवसाय और सरकारी दोनों क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की मांग कई गुना बढ़ गई है। इसके अलावा, पिछले वर्ष के दौरान व्यावसायिक शिक्षा में अत्यधिक विविधता आई है।

इसके अलावा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम एक आश्चर्यजनक पैकेज के रूप में आते हैं क्योंकि छात्रों को अपनी प्राकृतिक प्रतिभा और कौशल को बेहतर बनाने और प्रशिक्षित होने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, वे अपने क्षेत्र में अत्यधिक सफल होते हैं और अच्छे पैकेज प्राप्त करते हैं।

निष्कर्षतः, जो छात्र इन पाठ्यक्रमों को पूरा करते हैं वे उन लोगों की तुलना में नौकरी में बेहतर होते हैं जो केवल अकादमिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। साथ ही, यह देश की एक संपत्ति है जो अर्थव्यवस्था को विकसित होने और आगे बढ़ने में मदद करती है। इसके अलावा, सरकार और व्यावसायिक क्षेत्र दोनों में इन कुशल लोगों की उच्च मांग है। सबसे बढ़कर, इससे छात्रों, समाज, राष्ट्र और नियोक्ताओं को लाभ होता है।

### **कौशल विकास का महत्व**

“कौशल विकास उत्पादकता और रोजगार क्षमता दोनों को बढ़ाने का एक उपकरण है। यह अनुकूलनशीलता को बढ़ावा देता है, आजीवन सीखने और निरंतर सुधार का मार्ग प्रशस्त करता है।” 6 पेशेवर क्षेत्र में, कौशल विकसित करने से करियर में उन्नति और नौकरी की सुरक्षा मिल सकती है। व्यापक स्तर पर, यह किसी राष्ट्र के कार्यबल की गुणवत्ता में सुधार करके उसके आर्थिक विकास में योगदान देता है।

### **कौशल विकास के तरीके**

कौशल विकास शिक्षा, प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। आधुनिक तरीकों में ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं, जो लचीलेपन और पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। इंटरनेट और नौकरी पर प्रशिक्षण उद्योग-विशिष्ट कौशल प्राप्त करने के व्यावहारिक तरीके हैं।

### **चुनौतियाँ और समाधान**

इसके महत्व के बावजूद, कौशल विकास को तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति और निरंतर सीखने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन पर काबू पाने के लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है जहां सीखने को जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है। सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों को कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तक पहुंच प्रदान करने की आवश्यकता है।

### **कौशल विकास का महत्व**

“कौशल विकास के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। चौथी औद्योगिक क्रांति के आगमन के साथ, नए कौशल सेट और दक्षताओं की मांग अभूतपूर्व दर से बढ़ रही है।” 7 विश्व आर्थिक मंच का अनुमान है कि 2025 तक सभी कर्मचारियों में से 50% को पुनः कौशल की आवश्यकता होगी। कौशल विकास केवल नए कौशल प्राप्त करने के बारे में नहीं है, बल्कि मौजूदा कौशल को बढ़ाने और लगातार विकसित हो रहे कार्य वातावरण के अनुकूल ढलना सीखने के बारे में भी है।

### **कौशल विकास में शिक्षा की भूमिका**

कौशल विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, पारंपरिक शिक्षा प्रणालियाँ अक्सर छात्रों को आधुनिक कार्यस्थल पर नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने में विफल रहती हैं। शैक्षणिक संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण

सोच, रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हुए कौशल विकास को अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करना महत्वपूर्ण है। छात्रों के लिए यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि वे अपने स्वयं के कौशल विकास की जिम्मेदारी लें और कक्षा से परे सीखने के अवसरों की तलाश करें।

### **भविष्य के लिए कौशल**

तीव्र तकनीकी प्रगति के कारण कार्य का भविष्य अनिश्चित और अप्रत्याशित है। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, भविष्य के लिए शीर्ष कौशल में जटिल समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, लोगों का प्रबंधन, दूसरों के साथ समन्वय करना, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, निर्णय और निर्णय लेना, सेवा अभिविन्यास, बातचीत और संज्ञानात्मक लचीलापन शामिल हैं। ये वे कौशल हैं जो भविष्य की अर्थव्यवस्था को चलाएंगे और नौकरी बाजार में व्यक्तिगत सफलता निर्धारित करेंगे।

### **सरकारों और निगमों की भूमिका**

कौशल विकास में सरकारों और निगमों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकारों को शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करने की जरूरत है जो नागरिकों को भविष्य के लिए आवश्यक कौशल से लैस करें। दूसरी ओर, निगमों को अपने कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में निवेश करने की जरूरत है, जिससे उन्हें अपनी भूमिकाओं में प्रासंगिक बने रहने और नौकरी की बदलती आवश्यकताओं के अनुकूल होने में मदद मिल सके।

### **जीवन में शिक्षा का महत्व**

“शिक्षा सबसे पहले पढ़ने-लिखने की क्षमता सिखाती है। पढ़ना –लिखना शिक्षा की पहली सीढ़ी है।” 8 अधिकांश जानकारी लिखकर दी जाती है। इसलिए, लेखन कौशल की कमी का अर्थ है बहुत सी जानकारी से चूक जाना। परिणामस्वरूप, शिक्षा लोगों को साक्षर बनाती है।

सबसे बढ़कर, रोजगार के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। यह निश्चित रूप से एक सभ्य जीवन जीने का एक शानदार अवसर है। यह शिक्षा द्वारा प्रदान की जाने वाली उच्च वेतन वाली नौकरी के कौशल के कारण है। जब नौकरियों की बात आती है तो अशिक्षित लोगों को संभवतः भारी नुकसान होता है। ऐसा लगता है जैसे कई गरीब लोग शिक्षा की मदद से अपना जीवन सुधारते हैं।

बेहतर संचार शिक्षा में एक और भूमिका है। शिक्षा व्यक्ति की वाणी को निखारती एवं परिष्कृत करती है। इसके अलावा, व्यक्ति शिक्षा के साथ संचार के अन्य साधनों में भी सुधार करते हैं।

शिक्षा व्यक्ति को प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोगकर्ता बनाती है। शिक्षा निश्चित रूप से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल प्रदान करती है। इसलिए, शिक्षा के बिना, आधुनिक मशीनों को संभालना शायद मुश्किल होगा। शिक्षा की सहायता से लोग अधिक परिपक्व बनते हैं। शिक्षित लोगों के जीवन में परिष्कार का प्रवेश होता है। सबसे बढ़कर, शिक्षा व्यक्तियों को अनुशासन का मूल्य सिखाती है। पढ़े-लिखे लोगों को भी समय की कीमत का एहसास कहीं अधिक होता है। शिक्षित लोगों के लिए समय पैसे के बराबर है।

अंततः, शिक्षा व्यक्तियों को अपने विचार कुशलतापूर्वक व्यक्त करने में सक्षम बनाती है। शिक्षित व्यक्ति अपनी राय स्पष्ट तरीके से बता सकते हैं। इसलिए, शिक्षित लोग लोगों को अपनी बात मनवाने में काफी सक्षम होते हैं।

### समाज में शिक्षा का महत्व

सबसे पहले, शिक्षा समाज में ज्ञान फैलाने में मदद करती है। यह शायद शिक्षा का सबसे उल्लेखनीय पहलू है। शिक्षित समाज में ज्ञान का प्रचार-प्रसार तेजी से होता है। इसके अलावा, शिक्षा द्वारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान का हस्तांतरण होता है।

शिक्षा प्रौद्योगिकी के विकास और नवाचार में मदद करती है। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि जितनी अधिक शिक्षा होगी, उतनी ही अधिक तकनीक का प्रसार होगा। युद्ध उपकरण, चिकित्सा, कंप्यूटर में महत्वपूर्ण विकास शिक्षा के कारण होते हैं।

### निष्कर्ष

अंत में, कौशल विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसमें आज की तेज गति वाली दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए हर किसी को शामिल होना चाहिए। इसके लिए व्यक्तियों, शैक्षणिक संस्थानों, निगमों और सरकारों के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करके, हम काम के भविष्य के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं, एक ऐसे कार्यबल को बढ़ावा दे सकते हैं जो अनुकूलनीय, नवोन्वेषी और आगे आने वाली हर चीज के लिए तैयार हो।

शिक्षा अंधेरे में रोशनी की किरण है। यह निश्चित रूप से एक अच्छे जीवन की आशा है। शिक्षा इस ग्रह पर प्रत्येक मनुष्य का बुनियादी अधिकार है। इस अधिकार से इनकार करना बुराई है। अशिक्षित युवा मानवता के लिए सबसे बुरी चीज है। सबसे बढ़कर, सभी देशों की सरकारों को शिक्षा का प्रसार सुनिश्चित करना चाहिए।

### संदर्भ:

- [1]. नई शिक्षा नीति प्रस्तावना 2020
- [2]. उपरोक्त पृष्ठ-11
- [3]. व्यावसायिक शिक्षा के उद्देश्य (आलेख) डॉ. विमलप्रकाश-दैनिक जागरण 20.12.2023
- [4]. उपरोक्त पृष्ठ-11
- [5]. उपरोक्त पृष्ठ-11
- [6]. पी.एम. डिजिटल इण्डिया प्रोस्पेक्टस 2021
- [7]. उपरोक्त पृष्ठ- 5
- [8]. उपरोक्त पृष्ठ -6